Psychological thriller of IIM-I alumnus released

• **OUR REPORTER**
INDORE

Adding another name to the list of alumni authors of Indian Institute of Management Indore, Sumit Pramanik's novel— 'The Girl Behind the Glass' was released recently.

Sumit is from the 2012-14 batch of PGP. The novel is a psychological thriller stuffed with darkness and twisted characters.

The story is about just-married Neelabh and Shakshi who arrive at Hotel Infinity, desperate to take cover from unknown pursuers.

Next morning a police inspector appears, enquiring about a car that hurtled off a bridge nearby.

The girl who was in the vehicle is missing. As the eyes of the hotel dwellers turn to each other, tragedy strikes again, now much closer.

They soon learn that the devils inside them are no less dark than the devils outside.

Noting that this is his debut novel, Sumit said, "I have always been fascinated by writers with original styles, Raymond Chandler, Dashiell Hammett, Gillian Flynn, Justin Cronin, Stephen King and others who strive for innovative bend of thinking. I used to write during my school days, but I started developing more interest during higher studies."

Free Press, May 29, 2017, Page-3

सिटी एंकर शहर के राइटर का लिखा सायकोलॉजिकल थ्रिलर पसंद कर रहे यंगस्टर्स

हमारे भीतर का डेविल, बाहर के किसी डेविल से कम नहीं

सिटी रिपोर्टर • मैंने अपने पहले नॉवेल में यह कहने की कोशिश की है कि हमारे भीतर का डेविल, बाहर के किसी डेविल से कम नहीं है। मैंने कुछ घटनाओं के जरिए यह बात कही है। यह नॉवेल डार्क फ्लेवर का एक साइकोलॉजिक थ्रिलर है। इस नॉवेल की मैन्युस्क्रिप्ट देश के कई पब्लिशर्स ने रिजेक्ट कर दी थी लेकिन इसी माह जब यह रिलीज किया गया तो इसकी 12 सौ कॉपियां बिक गईं। यह कहना है राइटर सुमित प्रमाणिक का। यह बात उन्होंने सिटी भास्कर से बातचीत में कही।

हाल ही में आईआईएम से हाल ही में पासआउट इस राइटर का कहना है कि मैं रीडर्स को एक ऐसे फ्लेवर का नॉवेल देना चाहता था जो उन्हें शुरू से आखिर तक एंगेज रख सके।

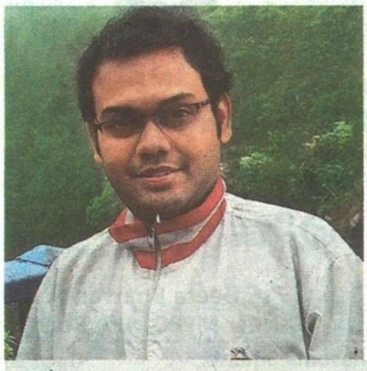

इस जॉनर के ग्रेट ऑथर्स से इंस्पायर्ड है मेरा यह पहला नॉवेल

एक सॉफ्टवेयर कंपनी में बिजनेस एलालिस्ट सुमित प्रमाणिक कहते हैं कि आज के रीडर्स पढ़ना तो बहुत चाहते हैं, लेकिन उनके लिए फिक्शन में वैरायटीज नहीं हैं। इसी बात को ध्यान में रखकर मैंने यह नॉवेल लिखा है। सायकोलॉजिकल थ्रिलर के ग्रेट ऑथर्स गिलिअन फ्लायन और पाउला हॉकिन्स के वर्क से इंस्पायर्ड है मेरा यह नॉवेल द गर्ल बिहाइंड द ग्लास। इसे यंगस्टर्स पसंद कर रहे हैं। मुझे इस नॉवेल को लेकर कुछ यंगस्टर्स का फीडबैक मिला है और मुझे खुशी है कि ये उन्हें पसंद आ रहा है।

यह है कहानी – नॉवेल की कहानी न्यूली मैरिड निलाभ और साक्षी की कहानी है। ये दोनों अपने अनजाने परस्युअर्स से बचने के लिए एक होटल में रुकते हैं। अगली सुबह एक पुलिस वाला वहां कार एक्सीडेंट में मिसिंग लड़की को तलाशता हुआ आता है। ये घटना दोनों के जीवन में एक और ट्रेजडी लेकर आती है। जल्द ही उन्हें पता लगता है कि उनके अंदर रहने वाला डेविल, बाहर के डेविल से कम नहीं है।

स्वीच व्यूपॉइंट टेकनीक है एंगेजिंग

आईआईएम इंदौर के स्टूडेंट रह चुके सुमित प्रमाणिक ने कहा कि लिखना मेरा पैशन है। कविताएं लिखता हूं और कहानियां भी लेकिन कभी बुक पब्लिश करवाने का ख्याल नहीं आया। पब्लिश करवाने का सोचा तो इस फील्ड की कुछ समस्याएं सामने आईं। कई पब्लिकेशंस ने मेरी मेनुस्क्रिप्ट रिजेक्ट कर दी थी। इस नॉवेल को मैंने स्वीच व्यूपॉइंट टेकनीक पर लिखा है। इसके हर चैप्टर के हर सेक्शन में एक अलग कैरेक्टर पर फोकस किया है। उसी कैरेक्टर के व्यूपॉइंट से पूरी स्टोरी उस सेक्शन में चलती है। ये नॉवेल एंगेजिंग एलिमेंट है। रीडर्स इसे पसंद कर रहे हैं।

Dainik Bhaskar, May 28, 2017, Page-I (City Bhaskar)